SNDT Women's University

Department of Hindi, Mumbai

Name of Program: Master of Hindi (M.A.)

Program Outcomes

1. भाषिक राष्ट्रीयता को समद्धृ करना।
2. हिंदी साहित्य एविं भाषा के सभी आयामों का गिन एविं षवशद ज्ञान प्रदान करना।
3. हिंदी के माध्यम से भारतीय साहित्य से पररचित कराना।
4. हिंदी एविं भारतीय साहित्य में महिला लेखन और उसके योगदान से अवगत कराना।
5. हिंदी सरकारी – गैरसरकारी कायय से सिंबिंचित उपक्रमों में छात्राओं को रोजगार के योग्य बनाना।
6. छात्राओं को स्वावलिंबी जीवन पद्धचत के चलए सक्षम बनाना।
7. छात्राओं में शोि के प्रचत रूचि जागतृ करना।

Program Specific Outcomes

1. रिनात्मक लेखन की ओर प्रवतृ िुए।
2. छात्राए हिंदी साहित्य लेखन में कषवता, किानी, आलेख और चनबिंि चलखना सीखें।
3. रोजगारपरक पाठ्यक्रम के माध्यम से सरकारी और चनजी क्षेत्रों में कायय करने का अवसर प्राप्त िुआ।
4. शोिकायय की ओर अग्रसर िुए।
5. आत्मचनभरय बनने की प्रेरणा चमली।

Course Outcomes

MA Semester-I

Course Code	Course Name	Course Outcomes
103501	हिंदी साहित्य का इचतिास भाग – 1	1. हिंदी साहित्य इचतिास लेखन की परम्परा से पररचित कराना। 2. हिंदी साहित्य के इचतिास व काल षवभाजन से छात्राओं को अवगत कराना। 3. हिंदी साहित्य के षवचभन्न कालों के पररवेश व प्रवषियों से पररचित कराना।
103502	भाषा षवज्ञान	1.भाषा की समग्र प्रवषि, षवकास व षवज्ञान से अवगत कराना।

		2.हिंदी भाषा की प्रकृ चत, षवकास व मित्त्व से पररचित कराना।
103503	मध्यकालीन काव्य	1. मध्यकालीन काव्य की समझ व समीक्षा के षवकास से अवगत कराना। 2. भषिकालीन एवं मध्यकालीन कषवयों की काव्य प्रवषियों से पररचित कराना। 3. रीचतकाव्य की परम्परा व प्रवषि के बारे में समझ पैदा करना।
103601	हिंदी साहित्य में दचलत लेखन	1. दचलत साहित्य से पररचित कराना। 2. दचलत जीवन की त्रासदी से अवगत कराना। 3. दचलत साहित्य के षवमशय एवं मानकों से पररचित होना। 4. दचलत साहित्य के भाषा सौंदयय से पररचित कराना।
103602	प्रयोजनमलक हिंदी	1. प्रयोजनमलक हिंदी से पररचित कराना। 2. हिंदी की सिंवैधाचनक स्स्चित को स्पष्ट करना। 3. दैनिंहदन कायय में हिंदी के प्रयोग को बढ़ावा देने का प्रयास। 4. देवनागरी चलषप की वैज्ञाचनकता से पररचित कराना। 5. पत्राचार के षवषवि रूपों से अवगत कराना। 6. कम्प्यूटर प्रणाली की समझ पैदा करना।
301701	हिंदी नाटक एवं रिंगमिंच	1. हिंदी रिंगमिंच के उद्भव एवं षवकास से अवगत कराना। 2. पारसी रिंगमिंच के षवकास से पररचित कराना। 3. स्वातिंत्र्योत्तर हिंदी नाटकों के योगदान से अवगत कराना। 4. छात्राओं में रिंगमिंच के चलए रुचि पैदा करना।
301702	हिंदी पत्रकाररता	1. हिंदी पत्रकाररता के उद्भव एवं षवकास से अवगत कराना। 2. पत्रकार के उिरदाचयत्व एवं िुनौचतयों से पररचित कराना। 3. वेब पत्रकाररता से पररचित कराना। 4. पत्रकाररता की स्त्रोत सिंस्थाओं का ज्ञान प्राप्त करना। 5. पत्रकाररता की उपयोचगता व समाज पर उसके असर से अवगत कराना।

MA Semester-II

Course Code	Course Name	Course Outcomes

203501	हिि ंदी साहित्य का इचतिास (भाग - 2)	1. अिुचनक काल के परररवेश एविं प्रवषियों से अवगत कराना। 2. पुनजागरण की अविारणा एविं षवकास यात्रा से परररचित िोना। 3. स्वातिंत्र्योिर किानी, उपन्यास, नाटक, कषवता एविं अन्य अिुनातन प्रवषियों से अवगत िोना।
203502	काव्यशास्त्र	1. भारतीय काव्यशास्त्र के सामान्य ज्ञान व उसकी प्रासिंचगकता से अवगत कराना। 2. पाश्चात्य काव्यशास्त्र व अिुचनक हिि ंदी समीक्षा में उसके उपयोग से अवगत कराना।
203503	अनुसिंिान प्रषवचि एविं प्रहक्रया	1. अनुसिंिान की प्रषवचि एविं प्रहक्रया से परररचित कराना। 2. शोि कायय के प्रचत रुचि पैदा करना। 3. शोि कायय की तकनीक से अवगत कराना। 3. अनुसिंिान िेतु छात्राओं को सक्षम बनाना।
203601	हिि ंदीतर भारतीय साहित्य	1. हिि ंदीतर साहित्य लेखन से परररचित कराना। 2. हिि ंदीतर भारतीय साहित्य के प्रचत रुचि पैदा करना।
203602	अनुवाद : कला एविं तकनीक	1. अनुवाद : प्रहक्रया का ज्ञान कराना। 2. अनुवाद के मित्त्व और उपयोचगता से परररचित कराना। 3. अनुवाद के चलए छात्राओं को सक्षम बनाना।
203701	िारावाहिक लेखन	1. दरू दशनय पर साहित्य की प्रस्तुचत और साहित्य से परररचित कराना। 2. पाठ और प्रदशनय के अिंतर को स्पष्ट करना। 3. पटकिा लेखन के प्रचत रुचि पैदा करना। 4. दृश्य-श्रव्य माध्यम की भािा से अवगत कराना। 5. दरू दशनय और साहित्य का अिंत:सिंबिंि से परररचित कराना।
203702	रिनात्मक लेखन	1. रिनात्मक लेखन को बढ़ावा देना। 2. भािा कौशल्य का षवकास करना। 3. षवषवि षविाओं के व्याविाररक ज्ञान से परररचित कराना। 4. रिनात्मक लेखन की िुनौचतयों से अवगत कराना।
MA Semester-III		

Course Code	Course Name	Course Outcomes
	अिुचनक हि◌◌ंदी गद्य	1. अिुचनक हि◌◌ंदी गद्य साहित्य की उपन्यास एविं व्यिंग्य षविा से पररचित कराना। 2. अिुचनक हि◌◌ंदी गद्य साहित्य की समझ पैदा करना।
	आलो◌िना और आलो◌िक	1. समीक्षाशास्त्र के अिुचनक आयामों से अवगत कराना। 2. हि◌◌ंदी आलो◌िना के लगभग सौ विों के षवकास के मानकों से अवगत कराना। 3. प्रमुख हि◌◌ंदी आलो◌िकों की आलो◌िना दृषष्ट से पररचित कराना।
	हि◌◌ंदी का आत्मकिा साहित्य	1. आत्मकिा के स्वरूप से अवगत कराना। 2. हि◌◌ंदी के प्रमखु आत्मकिाकारों से पररचित कराना। 3. हि◌◌ंदी आत्मकिा लेखन की षवशे◌िताओं से पररचित ◌◌ोना।
	लघुतर शो◌ि प्रबिं◌ि	1. शो◌ि के प्रचत रुचि पैदा करना। 2. अनुसिं◌◌ान प्रषवचि और प्रहक्रया से पररचित कराना।
	जनसिं◌ि ◌ार माध्यम	1. समा◌◌ार पत्र की कायप्रणाली, उपयोचगता व समाज पर उसके असर से अवगत कराना। 2. दृश्य – श्रव्य माध्यम की कायप्रणाली ति◌ा समाज के समक्ष उसकी शषि व सीमाओं से अवगत कराना। 3. हिल्म कला व उसके सरोकार ति◌ा प्रमुख हिल्मकारों के कायों से अवगत कराना।
	लघुतर शो◌ि प्रबिं◌ि	1. शो◌ि के प्रचत रुचि पैदा करना। 2. अनुसिं◌◌ान प्रषवचि और प्रहक्रया से पररचित कराना।
	चसनेमा और हि◌◌ंदी साहित्य	1. चसनेमा और साहित्य के अिंत:सिंबिं◌ि से अवगत कराना। 2. चभन्न कला माध्यमों में अचभव्यषि के आयाम से पररचित कराना।
MA Semester-IV		
Course Code	**Course Name**	**Course Outcomes**

	अिुचनक हिि◌ंदी कषवता	1. मुषिबोि के काव्य-सिंसार के माध्यम से कषवता के मानदण्डों से पररचित कराना। 2. ि◌ूचमल के काव्य-सिंसार के माध्यम से व्यवस्ि◌ा षवद्रोि के आयामों से अवगत कराना। 3. कु◌ुँ वर नारायण के काव्य-सिंसार के माध्यम से ऐचतिाचसक और दाशचनक दृषष्टकोण से पररचित कराना। 4. के दारनाि चसिि◌ं के काव्य–सिंसार के माध्यम से मानवीय सिंवेदनाओिं और सामास्जक सरोकारों से अवगत कराना।
	हिि◌ंदी महिला गद्य लेखन	1. समसामचयक हिि◌ंदी महिला गद्य लेखन की षवशेि◌ताओिं से पररचित कराना।
		2. महिला लेखन के प्रचत रुचि पैदा करना।
	लोकसाहित्य एविं लोक भाि◌ा	1. हिि◌ंदी और उसके क्षेत्र के लोक साहित्य से अवगत कराना। 2. लोक भाि◌ा की प्रयुषि से साहित्य की समषृद्ध व सौंदयय से पररचित कराना।
	प्रचशक्षण वषि	1. कॉलेज, स्कू ल, हिि◌ंदी सस्ि◌ाएिं, चियटेर अकादमी जैसी सिंस्ि◌ाओिं में अपने कायानुभव को प्राप्त करना। 2. छात्राओिं को स्वावलम्बी बनाना।
	रिनाकार प्रेमिि◌ंद	1. प्रेमिि◌ंद के किासाहित्य में व्यि आदशवादी सोि व प्रचतिलन से अवगत कराना। 2. किाकार प्रेमिि◌ंद के आदशोन्मुख यिाििवादी ि◌ोने के कारणों व पररणामों से अवगत कराना। 3. प्रेमिि◌ंद की यिाििवादी मिंस्जल के मित्त्व व उसके षवमशय से अवगत कराना। 4. प्रेमिि◌ंद के कितर लेखन के षवषवि रूपों से अवगत कराना।
	प्रचशक्षण वषि	1. कॉलेज, स्कू ल, हिि◌ंदी सस्ि◌ाएिं, चियटेर अकादमी जैसी सिंस्ि◌ाओिं में अपने कायानुभव को प्राप्त करना। 2. छात्राओिं को स्वावलम्बी बनाना।
	षवज्ञापन लेखन	1. षवज्ञापन लेखन के प्रचत रुचि पैदा करना। 2. षवज्ञापन लेखन की समझ पैदा करना। 3. षवज्ञापन का समाज पर प्रभाव से पररचित कराना।